

उ०प्र० माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज-211002

पाठ्यक्रम-प्रवक्ता रसायन विज्ञान (02)

(अ) भौतिक रसायन :

गैसीय अवस्था—गैसों का आणविक गतिज सिद्धान्त गतिज समीकरण की व्युत्पत्ति तथा इससे गैस नियमों का सत्यापन, आणविक वेगों का विवरण, गैसों की उष्मा धरिता, उर्जा समवितरण नियम, आणविक संघट्ट एवं परिवहन घटनायें, माध्य मुक्त पथ संघट्ट व्यास, अनादर्श गैसों—वान डर वाल्स समीकरण तथा अन्य अवस्था समीकरण, संगत अवस्था नियम गैसों का द्रवीकरण, द्रव अवस्था—द्रवों में अन्तर अणुक बल, द्रवों का वाष्प दाब वाष्प दाब पर ताप का प्रभाव, द्रवों का पृष्ठतनाव एवं श्यानता, तथा उन पर ताप का प्रभाव। ठोस अवस्था—क्रिस्टल (मणिभ) आकृति एवं सममिति स्पेस चालक एवं एकक कोशिका। मिलर सूचकांक विभिन्न क्रिस्टल निकाय बैंग—समीकरण, सोडियम क्लोराइड की क्रिस्टल, संरचना, घनाकार निकायों में परमाणुओं की पैकिंग ठोसों में आबंधन, एवं क्रिस्टल दोष। कोलाइडी अवस्था—द्रव स्नेह एवं द्रव विरोधी कोलायड, कोलायडों का निर्माण एवं उनके गुण, कोलायडी कणों पर आवेश की उत्पत्ति, स्कन्दन, रक्षण एवं कोलायडों के अनुपयोग एयरोसोल, फेन एवं पायसा। आणविक संरचना—द्विध्रुव आधूर्ण एवं आणविक संरचना निरूपण में इसका अनुपयोग, अवरक्त तथा रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा अणुओं की संरचना निरूपण में इनका उपयोग, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद एवं इलेक्ट्रान स्पिन अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा अणुओं की संरचना निरूपण में इनका उपयोग।

उष्मा गतिकी एवं उष्मा रसायन— उष्मा गतिकी की शून्यवां एवं प्रथम नियम, एन्थैल्पी या अर्न्तनिहित उष्मा, उष्मागतिकी के प्रथम नियम के अनुपयोग, समतापीय अम्कमणीय प्रसार में आदर्श गैस द्वारा किया गया कार्य, जूल थर्मसन गुणांक, अभिक्रिया उष्मायें (दहन की उष्मा, संभवन की उष्मा, उदासीनीकरण उष्मा, प्रवास्था परिवर्तन उष्मा एवं विनयन उष्मा आदि) हेस का स्थिर उष्मा योग नियम एवं इसके अनुपयोग, आबंध उर्जा, द्वितीय नियम—कार्नो चक्र, ऐन्ट्रापी परिवर्तन, ऐन्ट्रापी की भैतिक अवधारणा, आदर्श गैस के समतापीय उत्क्रमणीय प्रसार में ऐन्ट्रापी परिवर्तन, अनुत्क्रमणीय प्रक्रमों में ऐन्ट्रापी परिवर्तन।

मुक्त उर्जा (गिब्स एवं हेल्महोल्टज) मैक्सवेल सम्बन्ध। अंगशिक मोलर राशियां (रासायनिक विभव) गिब्स डुहेम सम्बन्ध, क्लासिगस—क्लेपियरॉन समीकरण एवं गिब्स हेल्महोल्टान समीकरण।

आणविक उष्मा गतिकी — विभाजन फलन एवं उसका महत्व, विभाजन फलन एवं उष्मागतिकीय फलनों में सम्बन्ध: स्थानान्तरीय, घूर्णी कम्पनिक तथा इलेक्ट्रानिक विभाजन फलन, आदर्श गैसों के लिए स्थानान्तरीय घूर्णी कम्पनिक एवं इलेक्ट्रानिक उष्मागतिकीय गुणों की व्युत्पत्ति।

अन्तर सतह रसायन— भौतिक एवं रासायनिक लैंग्म्युर अधिशेषण, समतापीय वक्र बी०ई०टी० समीकरण एवं उसके उपयोग, प्रकाश रसायन—प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रक्रम आइस्टीन का प्रकाश रासायनिक तुल्यता का नियम, पदीप्ति एवं स्फुरदीप्ति। हाइड्रोजन आयोडाइड का प्रकाश रासायनिक अपघटन, रासायनिक लेसर, उत्प्रेरण—समांगी एवं विषमांगी, विषमांगी उत्प्रेरण का सिद्धान्त, एनजाइम उत्प्रेरण।

विलयन— आदर्श एवं अनादर्श विलयन, राउल्ट—नियम, विलयनों के अणुसंख्य गुण—धर्म (परासरण दबाव, वाष्प दाब, अवनमन, क्वथनांक, उन्नयन एवं हिमांक अवनमन) किसी आवष्पशील विलेय का अणुसंख्य गुणधर्म से अणुभार ज्ञात करना। अपसामान्य अणुसंख्य प्रीाव: नाभिकीय रसायन—मूलभूत कण एवं उनका वर्गीकरण, नाभिकीय बल, परमाणु नाभिक का द्रव, बूंद एवं कोष माडल, नाभिकीय स्थायित्व, नाभिकीय अभिक्रियाओं में उर्जा परिवर्तन, नाभिकीय परिच्छेद की अवधारणा, नाभिकीय विखण्डन स्पेलेशन एवं संलयन अभिक्रियायें: रासायनिक गतिकी—अभिक्रिया की कोटी एवं आणुविकता प्रथम एवं द्वितीय कोटी की अभिक्रियाओं के वेग स्थिरांक की व्युत्पत्ति, वेग स्थिरांक पर ताप का प्रभाव (आर्हीनियस समीकरण) अभिक्रिया की कोटी ज्ञात करने की विधियां। अभिक्रियाओं के वेग का संघटन एवं सक्रिय—संकर सिद्धान्त।

रासायनिक साम्य— के.पी. एवं के.सी. में सम्बन्ध। फास्फोरस पेन्टाक्लोराइड के वियोजन, एच. आई. तथा एन.एच.—3 के निर्माण, सी.ए.सी.ओ.—3 एन.एच.—4 एच.एस. के वियोजन में द्रव्य अनुपाती

क्रिया नियम का अनुयोग, ली शातेलियर नियम-रासायनिक तथा भैतिक साम्यावस्थाओं में इसके अनुप्रयोग। वान्ट-हाफ समीकरणप्रावस्था, साम्य-प्रावस्था नियम एक घटक एवं सरल निकायों के लिए प्रावस्था आरेख वितरण नियम एवं इसके अनुप्रयोग।

वैद्युत रसायन- वैद्युत चालन, आर्हीनियस का वैद्युत अपघटनी सिद्धान्त। आस्टवाल्ड का तमुता नियम, प्रबल वैद्युत अपघटनों का सिद्धान्त। डिबाई-फाकेनहेगेन एवं वीन प्रभाव। अभिगमनांक एवं इसका निर्धारण, कोलराउश का आयनों के स्वतन्त्र अभिगमन का नियम, चालकता मापन के अनुप्रयोगासकियता गुणांक-सक्रियता का भैतिक महत्व, औसत आयनिक गुणांक। डिबाई हुकेल सीमान्त नियम। वैद्युत रासायनिक सेल, उत्क्रमणीय एवं अनुत्क्रमणीय एकल एलेक्ट्रोड विभव सेल का विद्युत वाहक बल नन्स्ट समीकरण मानक इलेक्ट्रोड विभव। इ.एम.एफ. मापन के अनुप्रयोग, आक्सीजन हाइड्रोजन ईंधन सेल आयनिक साम्य-विलेयता गुणन फल। लवण का जल अपघटन। पी.एच.पी.ओ. तथा पी.के. बफर विलयना सूचकों का सिद्धान्त।

(ब) अकार्बनिक रसायन:

1. परमाणु संरचना-तरंग-कण द्वैतवाद, हाइजेनबर्ग का अनिश्चितता सिद्धान्त, श्रोडिंजर तरंग समीकरण, परमाणु कक्षक, क्वाण्टम संख्यायें, आरीय एवं कोणीय सम्भ्राविता वितरक वक्र। एस.पी. एवं डी० कक्षकों की आकृति आफ बाउ नियम एवं पाउली का अपवर्जन सिद्धान्त। हुण्ड नियम, तत्वों के इलेक्ट्रानिक विन्यास, आवर्त सारिणी के दीर्घ रूप का अध्ययन-अभिलाक्षणिक विशेषताओं, आवर्ती गुण-परमाणु एवं आयनिक त्रिज्यायें एवं आयनन उर्जा, इलेक्ट्रान बन्धुता तथा विद्युत ऋणात्मकता एवं आवर्त सारिणी में इनकी प्रवृत्ति। रासायनिक आबंधन-आयनिक आबंध-जालक उर्जा, बार्न-हैबर चक्र, साल्वेशन उर्जा, आयनिक ठोसों की विलेयता, आयनिक आबंध का सहसंयोजी स्वभाव (फजान नियम) सहसंयोजी आबंध-सहसंयोजकता का संयोजकता आबंध एवं आणविक कक्षक सिद्धान्त। समांग नाभिकीय एवं विषमांग नाभिकीय अणुओं (सी०ओ०, एच०एफ०एन०ओ० मात्र) का आणविक कक्षक विवेचना, संकरण तथा सरल अकार्बनिक अणुओं तथा आयनों की आकृति। संयोजकता कोष इलेक्ट्रान युग्म प्रतिकर्षण सिद्धान्त (वी.एस.ई.पी.आर.) का एन.एच.-३ एच-३ ओप्लस, एस.एफ.-६ आई.एफ.-७ में अनुप्रयोग।

एस-ब्लाक के तत्व- सामान्य लक्षण, लीथियस एवं बेरीलियम का रसायन, असंगत व्यवहार तथा विकर्ण सम्बन्ध, पी-ब्लाक के तत्व-इलेक्ट्रानिक विन्यास एवं सामान्य आवर्ती गुणों की वर्ग में प्रवृत्ति। नाइट्रोजन फास्फोरस तथा सल्फर के आक्साइडों, आक्सी अम्लों की संरचना। फास्फेजीन्स सिलिकेट्स, सिलिकोन्स, डाइबोरेन्स, अन्तर्हैलोजन्स तथा पाली हेलाइड्स का रसायन। अग्रलिखित यौगिकों का निर्माण, गुण एवं उपयोग:- भारी जल, माइक्रोकास्मिक लवण, प्लास्टर आफ पेरिस, पोटैशियम डाइक्रोमेट, पोटैशियम परमैंगनेट, सोडियम थायोसल्फैट, हाइड्रोजन, हाइड्राक्लि एमीन, सफेदा एवं विरंजक चूर्ण जिनान यौगिकों का रसायन।

डी०-ब्लाक के तत्व - ३डी ब्लाक के तत्वों के अभिलाक्षणिक गुण ४ डी तथा ५ डी ब्लाक के तत्वों की ३ डी ब्लाक के तत्वों से तुलना।

समन्वय यौगिकों का रसायन-वर्नर सिद्धान्त, आई.यू.पी.ए.सी. नामकरण। उपसहसंयोजी संकुलों में समावयता। संक्रमण धातु संकुलों में धातु-संलग्नी आबंधन के सिद्धान्त। प्रभावी परमाणु क्रमांक (ई०ए०एन०) नियम तथा संयोजकता आबंध सिद्धान्त। क्रिस्टल क्षेत्र सिद्धान्त। चतुष्फलकीय एवं आष्टफलकीय संकुलों में क्रिस्टल क्षेत्र विभाजन। क्रिस्टल क्षेत्र स्थिरीकरण ऊर्जा (सी०एफ०एस०ई०) केवल डी०-१ डी०९ निकायों हेतु (संक्रमण धातु संकुलों का चुम्बकीय व्यवहार) एल-संयुग्मन तथा चुम्बकीय आघूर्ण में कक्षक योगदान; धातु संकुलों के स्थायित्व की एक संक्षिप्त उष्मा-गतिकीय रूपरेखा, वर्ग सममतलय संकुलों में प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं, इलेक्ट्रानिक स्पेक्ट्रम-इलेक्ट्रानिक संक्रमण के प्रकार, डी-डी संक्रमण के लिए चयन नियम स्पेक्ट्रोस्कोपीय निम्नतम अवस्था तथा स्पेक्ट्रोकेमिकल श्रेणी। डी०-१ तथा डी० ९ अवस्थाओं के लिए ओर्गेल ऊर्जा स्तर चित्र लैन्थेनाइड्स इलेक्ट्रानिक विन्यास, आक्सीकरण अवस्थाएं परमाणु एवं आयनिक त्रिज्याएं एवं संकुल निर्माण के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन। लैन्थेनाइड्स के पृथक्करण का सिद्धान्त। लैन्थेनाइड यौगिकों के चुम्बकीय तथा स्पेक्ट्रोस्कोपीय गुण, ऐक्टिनाइड्स-सामान्य लक्षण तथा ऐक्टिनाइडों का रसायन। एन.पी.पी.यू.ए., एम. एफ. एम. तथा यू. के. प्रथक्करण का रसायन, कार्बधात्विक रसायन-परिभाषा-नामकरण तथा वर्गीकरण, जैव अकार्बनिक रसायन-क्षारीय एवं क्षारीय मृदा धातु आयनों (विशेष सन्दर्भ के साथ सी.ए.-२ प्लस) की जैव भूमिका। धातु-पोरकाइरीन्स-हीमोग्लोबिन तथा मायोग्लोबिन के विशेष सन्दर्भ में।

(स) कार्बनिक रसायन

सामान्य कार्बनिक रसायन—मीथेन, ईथेन, ईथीन, ईथाइन तथा बेन्जीन का कक्षीय प्रदर्शिकरण। आबंधों की ध्रुवीयता—प्रेरणिक, अनुनाद एवं त्रिविमीय विन्यासी प्रभाव तथा उनका कार्बनिक यौगिकों की अम्लीयता एवं क्षारीयता पर प्रभाव, कार्बनिक यौगिकों का वर्गीकरण एवं नामकरण—(एलिफैटिक एवं एरोमैटिक दोनों का) कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रिया विधि—संमागी एवं विषमांगी विदलन, नाभिकस्नेही इलेक्ट्रानस्नेही तथा मुक्तमूलक। एलिफैटिक प्रतिस्थापन, योगात्मक एवं निराकरण अभिक्रियाओं की क्रियाविधि समावयवता—संरचनात्मक एवं त्रिविम समावयवता। संरूपण का प्रारम्भिक विवेचन (ईथेन तथा एन—ब्यूटेन मात्र) एल्कूल एल्कीन, एल्काइन, अल्किल, हेलाइड, एल्कोहाल, एडहाइड कीटोन, कार्बोतिसलिक अम्ल एवं उनके व्युत्पन्न (सन्निहित अभिक्रियाओं) की क्रियाविधि भी उपयुक्त स्थान पर दी जाए) इनके बनाने की विधियाँ एवं इनके गुण ग्रियनार्ड अभिकर्मक—बनाने की विधियाँ एवं संश्लेषिक अनुपयोग, क्रियाशील मेथिलीन समूल वाले यौगिक—एसीटो, एसीटिक एस्टर तथा मैलोनिक एस्टर केवल कीटो—ईनाल, चलावयवता।

कार्बोहाइड्रेट—वर्गीकरण ग्लूकोस एवं फ्रैक्टोस की वलय संरचना एवं विन्यास परिवर्ती, घूर्णन, कार्बोहाइड्रेट, श्रेणी में अन्तस्परिवर्तन, एरोमैटिक यौगिक—एरोमैटिक हाइड्रोकार्बनों को बनाने की सामान्य विधियाँ, एरोमैटिकता प्रतिस्थापन—नाइट्रेशन, हैलोजनीकरण, सल्फोनीकरण, फ्रीडलक्राफ्ट, एविकलीकरण तथा एसीलिकरण अभिक्रियाओं की क्रिया विधि। क्लोरोबेन्जीन, नाइट्रोबेन्जीन, एनिलीन, फिनॉल बेन्जलडिहाइड, बेन्जोइक एसिड, बेन्जीन सल्फोनिक एसिड थैलिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड एवं सिनामिक एसिड कार्बनिक यौगिक का बनाना एवं उनके गुण।

विषम चक्रीय यौगिक—संश्लेषण, पर्यूरान, पाइरोल, थायोफीन, पिरिडीन, विवोनोलीन तथा आइसोविवोनोलीन का एरोमैटिक लक्षण, बहु नाभिकीय एरोमैटिक यौगिक—नैफथलीन, एन्थासीन तथा फिनैन्थीन, एलिसाइक्लिक यौगिक—साइक्लोएल्केन्स—सामान्य संश्लेषण बायर की विकृति सिद्धान्त साइक्लोहेक्सेन—कुसी एवं नौका संरूपण, अभिक्रियाशील माध्यवर्ती—निर्माण स्थयित्व एवं संरचना (मुक्त मूलक कार्बोनियम आयन कार्बेनायन, कार्बीन्स तथा नाइट्रीन्स, क्षाराभ—प्राप्ति महत्व सामान्य संरचनात्मक लक्षण, हाफमैन मेथिलेशन निकोटीन एवं पिपरीन की संरचना एवं संश्लेषण, एमीनों अम्ल, पेप्टाइड्स एवं प्रोटीनों का निर्माण एवं गुण।

बहुलक—बहुलकों के प्रकार एवं बहुलकीकरण प्रक्रम, अग्रलिखित बहुलकों का निर्माण एवं उनका प्रयोग, प्राकृतिक एवं संश्लेषित रबर, टेफलान, फ्रिकयान एवं पालीस्टाइरीन, पालाएमाइड्स संश्लेषित रेशे—पालीएस्टर्स, पालीएकिलेट्स तथा रेयान, रंजक—रंग संरचना के सम्बन्ध में, आधुनिक विचार मैलाकाइट ग्रीन, क्लोरेनसीन तथा मेथिलआरेनज का संश्लेषण इंडिगो (नील) एवं एलिजारीन की संरचना एवं संश्लेषण, आषधियाँ, एण्टीबायोटिक्स एवं कृषि रसायन—औषधियों का वर्गीकरण, ऐस्परीन, पेरासीटेमाल, फिनाइल ब्यूटाजोन, सल्फैनीलेमाइड, सल्फागुनीडीन, सफलापिरीडीन, सल्फाथयोजोल, क्लोरोक्वीन्स, प्रइमाक्वीन पी.ए.एस., क्लोरापेमाइसिटीन तथा स्ट्रेप्टोमाइसीन, पैराथियान, मैलाथियान, गैमैक्सीन, डी.डी.टी. का संश्लेषण एवं उनका उपयोग विटामिन एवं हारमोन—रासायनिक संगठन एवं विटामिन ए० बी० सी० तथा थायराक्सिन एवं एस्ट्रोन के जन्तु—वानस्पतिक कार्य।